ससुर और बहू की कामवासना और चुदाई-2

“बहूरानी के होंठ मेरे होंठों से बस चंद इंच की दूरी पर थे, उसके होंठ प्राकृतिक रूप से ही गुलाबी हैं. मन कर रहा था कि अभी बहू के लबों को चूम लूं... लेकिन मैंने सब्र किया... मन में सोचा कि अभी कुछ देर मैं इन लबों को चूम लेने की लालसा को मन ले लिए तड़पता रहूँगा, इस तड़प में मुझे और ज्यादा आनन्द मिलेगा. ...”

Story By: Sukant Sharma (sukant7up)
Posted: रविवार, मार्च 25th, 2018
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: ससुर और बहू की कामवासना और चुदाई-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ससुर और बहू की कामवासना और चुदाई-2

मेरी सेक्स कहानी के पहले भाग में आपने पढ़ा कि मैंने अपनी बहू के साथ एक शादी में जाना था. बहू ने इस मौके का फ़ायदा उठाने का पूरा इंतजाम कर लिया था. उसने मुझे अपने पास बैंगलोर लिया. वहाँ से हमने ट्रेन से दिल्ली जाना था. फिर राजधानी एक्सप्रेस के प्राइवेट केबिन में डेढ़ दिन यानि पूरे 36-37 घंटे वासना और चोदन का नंगा धमाल होना तय था. बहूरानी के इस लाजवाब कार्यक्रम का मैं कायल हो गया और आने वाले रोमांच और रोमांस के बारे में सोच सोच कर मेरा मन प्रफुल्लित हुए जा रहा था.

तय कार्यक्रम के अनुसार मैं छह दिसम्बर की सुबह बैंगलोर जा पहुंचा. स्टेशन पर मेरा बेटा अपनी गाड़ी से मुझे रिसीव करने आया हुआ था ; स्टेशन से घर पहुँचने में कोई पैंतीस चालीस मिनट लगे. मैं गाड़ी से उतर गया और बेटा गाड़ी को पार्क करने लगा. मेरे हृदय में बहूरानी से मिलने की अभिलाषा तीव्र से तीव्र हो रही थी, मैंने अपने बेटे के आने की प्रतीक्षा नहीं की और मैं अपने बेटे के फ़्लैट की ओर बढ़ गया.

दरवाजे पर पहुंचा और घंटी बजाने पर दरवाजा बहूरानी ने ही खोला.
“नमस्ते पापा जी !” बहूरानी ने हमेशा की तरह मेरे पैर आत्मीयता से स्पर्श कर के मेरा स्वागत किया.
“आशीर्वाद है अदिति बेटा, खुश रहो !” मैंने भी उसके सिर पर स्नेह से हाथ रख कर उसे आशीष दी और मेरा हाथ अनचाहे ही फिसल कर उसकी पीठ पर जा पहुंचा और उसकी गर्दन के पिछले भाग को सहलाता हुआ नीचे उतर कर उसकी ब्रा के हुक पर ठहर गया. ये सब कुछ ही क्षणों में हो गया. बहूरानी की ब्रा के हुक को मैंने ऐसे ही थोड़ा सा दबा दिया तो मेरी मंशा जान कर बहूरानी का जिस्म सिहर उठा.

बहू रानी तुरन्त उठ के सीधी हुई और मुझे शिकायत भरी निगाहों से लेकिन होंठों पर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुस्कराहट लिए देखती रही, तभी उसके होंठों ने ज़रा सा गोल होकर जैसे हवाई चुम्बन दिया ; प्रत्युत्तर में मैंने भी अपने होठों से जवाब दिया.

मैं अपनी बहूरानी के इस आत्मीय और संतुलित व्यवहार से हमेशा ही अचंभित, अवाक्, खुश रहा हूँ. मेरी बहूरानी मुझ से अब तक कम से कम तीस पैंतीस बार तो चुद ही चुकी होगी परन्तु उनके व्यवहार में हमारे इन सेक्स रिश्तों की झलक भी कभी दिखाई नहीं दी. दूसरों के सामने की तो बात ही क्या, जब कभी हम अकेले भी होते तो बहूरानी हमेशा अपने सर पर पल्लू डाल के नज़र नीची करके मुझसे सम्मान से बात करती ; उसने कभी भी मुझे यह बात जताई नहीं कि वो मेरी अंकशायिनी भी है.

कोई व्रत उपवास ऐसा नहीं है जिसे अदिति न करती हो. सोमवार तो उसका व्रत हमेशा ही रहता है इसके अलावा एकादशी, प्रदोष और साल में एक बार आने वाले व्रत जैसे जन्माष्टमी, शिवरात्रि, नवदुर्गा इत्यादि न जाने कितने ; सब पूरे विधि विधान से ही करती, निभाती है.
अल्प शब्दों में कहा जाय तो सभी स्त्रियोचित गुणों से परिपूर्ण है मेरी बहूरानी अदिति… और किसी भी सभ्रान्त परिवार की संस्कारी है मेरी प्यारी बहू !

अब यह बात अलग है कि वो मुझसे चुदवाते समय स्त्रियोचित लाज शर्म संकोच त्याग कर देवी रति का रूप धर किसी चुदासी कामिनी की तरह मेरा लंड हंस हंस के मेरी आँखों में झांकते हुए चूसती चाटती है और फिर उसे अपनी चूत में लील के किसी निर्लज्ज कामिनी की तरह मुझे उसे बलपूर्वक चोदने को उकसाती है और अपनी चूत उछाल उछाल के कामुक बातें कहती हुई अपने स्त्रीत्व को पूर्ण रूप से भोग लेती है. मेरी बहू की कामवासना काफी प्रखर है और मेरे साथ तो वो जैसे कामुकता की मूर्ति बन जाती है.

एक बात यहाँ और, मैं उस दिन अपनी बहूरानी को कोई डेढ़ साल बाद मिल रहा था. इन डेढ़ सालों में उसके जिस्म में आश्चर्यजनक बदलाव मैंने नोट किया ; वो पहले से और भी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

छरहरी हो गयी थी उसका सुतवां जिस्म और भी सांचे में ढल गया था. किशोरियों या टीन गर्ल्स जैसी कमनीयता या आभा, ग्लो, दीप्ति या नूर कुछ भी कह लो ; उसके जिस्म के अंग अंग से छलक रहा था.

मैं तो बहूरानी के कमनीय बदन में जैसे खो सा गया था कि “पापा जी, कहाँ खो गए आप ?” बहूरानी की आवाज ने जैसे मुझे नींद से जगाया.
“अदिति बेटा, तू इतनी बदल कैसे गयी, पहचान में ही नहीं आ रही आज तो ?”
“अच्छा, ऐसा क्या दिख रहा है मुझमें जो पहले नहीं दिखाई दिया आपको ?” बहूरानी जरा इठला कर बोली.

तभी मेरे बेटे के क़दमों की आहट सुनाई दी, वो मेरा बैग वगैरह ले के आ रहा था. बहूरानी ने अपने होंठों पर उंगली रख के मुझे चुप रहने का इशारा किया ; मैंने भी वक़्त की नजाकत को समझा और पास की कुर्सी पर बैठ गया.
“बहूरानी, एक गिलास पानी ले आ… और फिर चाय बना दे जल्दी से !” प्रत्यक्षत: मैंने कहा.
“जी अभी लाई पापा जी !” अदिति ने मुझे मुस्कुरा कर देखा और रसोई की तरफ चल दी.

अदिति के जाते ही मेरा बेटा मेरे पास बैठ गया और कुछ पारिवारिक बातें होने लगीं. मैंने उससे उसकी नौकरी से सम्बन्धित बातें पूछी, उसने घर परिवार के बारे में पूछा. वैसे तो ये सब बातें फोन पर लगभग रोज होती ही रहती हैं लेकिन आमने सामने मिलने पर चाहे औपचारिकता वहश ही सही, दोहराई ही जाती हैं.
अदिति के चचेरे भाई की शादी थी तो बेटे बहू का जाना ज्यादा अच्छा लगता. यही बात मैंने अपने बेटे के सामने फिर से दोहराई लेकिन उसने अपने जॉब, करियर की मजबूरी बता दी और प्रॉमिस किया कि आगे से वो ये सब पारिवारिक जिम्मेवारियाँ खुद संभालेगा.

इतने में ही अदिति भी चाय लेकर आ गई और हम तीनों ने हल्की फुल्की यहाँ वहाँ की बातें

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

करते हुए चाय खत्म की. ये सब बातें करते करते मेरी नज़र बार बार बहूरानी के बदले बदले से जिस्म को निहार रही थी और शायद बहूरानी भी मेरे मन के कौतुहल, जिज्ञासा को अच्छे से समझ रहीं थीं. इसीलिए उसने मेरी तरफ नज़र भर के देखा और आँख झपका के गर्दन हिला के मुझे इशारा किया कि वो मेरे मन की बात समझ रही है.

“सुनो जी, आप बाज़ार से ताजा दही ला दो. पापा जी को नाश्ते में दही जरूर चाहिये होता है, और दही ताजा ही लाना, खट्टा मत ले आना !” बहूरानी ने यह कहते हुए मेरे बेटे को बाज़ार भेज दिया.
जैसे ही वो घर से बाहर निकला, मैंने बहूरानी का हाथ पकड़ कर अपनी ओर खींचा तो वो मेरी गोद में आ गिरी. बहूरानी के कूल्हे मेरी जांघों पर थे, मेरी एक बाजू पर बहू का सर टिक गया.
“हाँ, पापा जी… अब बताओ, क्या कह रहे थे आप ? बहुत इशारे कर रहे थे ?” बहूरानी ने मेरी गोदी में बैठ कर मेरे गले में अपनी बांहों का हार पहना कर पूछा. उसकी आंखों से प्यार ही प्यार झलक रहा था.

बहूरानी के होंठ मेरे होंठों से बस चंद इंच की दूरी पर थे, बहू ने होंठों पर कोई लिपस्टिक आदि नहीं लगाई थी, उसके होंठ प्राकृतिक रूप से ही गुलाबी हैं.
मन कर रहा था कि अभी बहू के लबों को चूम लूं मैं… लेकिन मैंने सब्र किया… मन में मैंने सोचा कि अभी कुछ देर मैं इन लबों को चूम लेने की लालसा को मन ले लिए तड़पता रहूँगा, इस तड़प में मुझे और ज्यादा आनन्द मिलेगा.

बहूरानी की बात को अनसुना करके और अपने मन में बहू के चुम्बन की इच्छा को दबा कर मैंने उसकी कमर में हाथ डाल के उसे अपने अंक में समेट लिया, पहले तो मैंने बहू को अपनी छाती से चिपटा लिया… अजीब सी शान्ति मिली मुझे बहू को अपने गले से लगा कर…

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर मैंने बहू के वक्ष पर अपना चेहरा टिका दिया और मेरी नाक उसके मम्मों की गहरी घाटी में धंस सी गई. तब मैंने अपनी जीभ से बहू की क्लीवेज को तीन चार बार चाटा. बहूरानी के जिस्म की सिहरन मुझे स्पष्ट महसूस हुई और उसकी बांहें मेरी गर्दन में कस के लिपट गयीं और उसने मुझे कस के अपने से लिपटा लिया.
कुछ पलों तक हम दोनों यूं ही लिपटे हुए एक दूजे के दिलों की धकधक सुनते रहे. बहू रानी के जिस्म की खुशबू में मेरे मन में एक नया उल्लास भर दिया. बहुत लम्बे अरसे के बाद मुझे बहूरानी के कामुक जिस्म की कामुक गंध मिली थी, मैं तो मदहोश ही हो गया था जवानी की गंध पाकर!

“पापा, अब बताओ भी क्या कह रहे थे आप ?” बहूरानी ने मेरी ठोड़ी के नीचे हाथ रखकर मेरा चेहरा ऊपर उठा कर मेरी आँखों में झांकते हुए पूछा.
अब मैं खुद को रोक नहीं पाया और मैंने बिना कोई जवाब दिए उसे अपने ऊपर झुका लिया और हमारे होंठ स्वत: ही जुड़ गये.
किसी नवयौवना के अधरों का चुम्बन, उनका रसपान करना, विशेष तौर पर जब वो भी दिल से साथ निभा रही हो, कितनी स्वर्गिक आत्मिक आनन्द की अनुभूति कराता है, इसे शब्दों में बयाँ करना आसान नहीं है. हमारे जाने पहचाने होंठ यूं ही पता नहीं कितनी देर अठखेलियाँ करते रहे, हमारी जीभ एक दूजे के मुंह में घुस कर लड़ती झगड़ती रही और तन में वासना का ज्वार हिलोरें लेने लगा.

तभी बहूरानी ने खुद को काबू किया और हाँफती हुई सी मुझसे दूर खड़ी हो गई ; उसकी आँखों में सम्भोग की चाहत गुलाबी रंगत लिए तैर रही थी.

“क्या हुआ अदिति बेटा ?”
“कुछ नहीं पापा जी, अब और नहीं, नहीं तो खुद को रोक नही पाऊँगी. ये दही ले कर आने वाले ही होंगे.”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“अरे जल्दी जल्दी कर लेंगे न… देख तेरे बिना डेढ़ साल से ऊपर ही हो गया है.”
“पापा जी आज दिन और रात का सब्र कर लो फिर कल की पूरी रात, परसों का पूरा दिन और पूरी रात ट्रेन में अपने ही हैं. आप जो चाहो, जैसे चाहो कर लेना मेरे साथ… मैं मना नहीं करूंगी. अभी वक़्त की नजाकत को समझो आप ! मैंने भी तो जैसे तैसे खुद को संभाला है आप भी कंट्रोल करो खुद को !”
“ठीक है बेटा, तू सही कह रही है, इतना उतावलापन भी ठीक नहीं है.” मैंने कहा.

“पापा जी, अब बताओ, आप कुछ कहने वाले थे मुझे देख कर ?” बहूरानी सामने वाली कुर्सी पर बैठती हुई बोली.
“हाँ बेटा, मैं यह कह रहा था कि अबकी तो तू एकदम बदली बदली लग रही है, तू पहले की अपेक्षा और भी ज्यादा छरहरी सी निखरी निखरी नयी नयी सी लग रही है.” मैंने कहा.
“हाँ पापा जी, मैंने सुबह के टाइम योगा और प्राणायाम करना शुरू किया है और शाम को आधा घंटा जिम में वर्कआउट करती हूँ रोज !” बहूरानी थोड़ा इठला के बोली.
“गुड, वैरी गुड, कीप इट अप बेटा !” मैंने कहा.

तभी मेरा बेटा दही ले के आ गया और हमारी बातें यहीं खत्म हो गयीं.
इसके बाद बहूरानी के घर में क्या हुआ, वो कुछ ख़ास नहीं है कहने को.

अगले दिन शाम को 8 बजे हमारी ट्रेन थी. राजधानी एक्सप्रेस के प्राइवेट कोच में हम ससुर बहू ने क्या क्या किया ये सब जानने के लिए कल ट्रेन चलने का इंतज़ार कीजिये.

ससुर बहू की कामुकता, शारीरिक आकर्षण, वासना, प्रेम और चुदाई की कहानी जारी रहेगी.
sukant7up@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Bangla Choti Kahini

URL: www.banglachotikahinii.com **Average traffic per day:** GA sessions **Site language:** Bangla, Bengali **Site type:** Story **Target country:** India Bangla choti golpo for Bangla choti lovers.

Arab Phone Sex

URL: www.arabphonesex.com **CPM:** Depends on the country - around 1,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** North Africa & Middle East Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (mobile view).

Tamil Kamaveri

URL: www.tamilkamaveri.com **Average traffic per day:** 113 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Story **Target country:** India Daily updating at least 5 hot sex stories in Tamil language.

Delhi Sex Chat

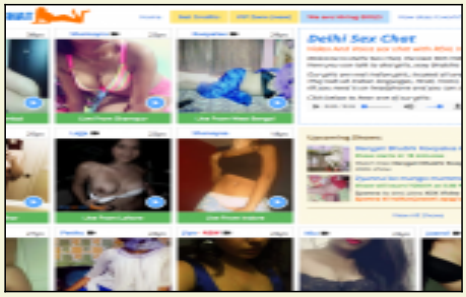

URL: www.delhisexchat.com **Site language:** English **Site type:** Cams **Target country:** India Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Desi Kahani

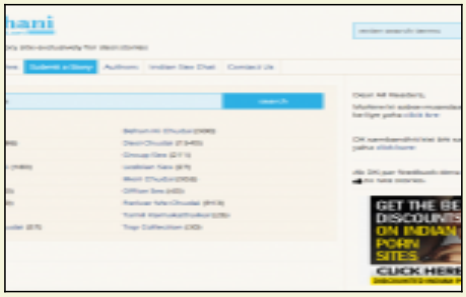

URL: www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

Indian Gay Site

URL: www.indiangaysite.com **Average traffic per day:** 52 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India We are the home of the best Indian gay porn featuring desi gay men from all walks of life! We have enough stories, galleries & videos to give you a pleasurable time.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire